

संगीत - तबला में स्नातक(बी0ए0)

उद्देश्य - इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय संगीत के प्राचीन काल, तबला वाद्य के घरानों, ताल के दस प्राण, प्रसिद्ध तबला वादकों के जीवन से अवगत कराना है तथा पाठ्यक्रमानुसार तबला के प्रयोगात्मक पक्ष की शिक्षा प्रदान करना है।

चतुर्थ सेमेस्टर कोर कोर्स का पाठ्यक्रम

क्र० सं०	कोर्स शीर्षक	कोर्स कोड	अंक	श्रेयांक
1	हिंदुस्तानी संगीत सिद्धान्त - तबला एवं प्रयोगात्मक	बी0ए0एम0टी0(एन)-202	100	4
प्रथम खण्ड	हिंदुस्तानी संगीत सिद्धान्त - तबला		50	2
	इकाई 1 - भारतीय संगीत का इतिहास- प्राचीन काल।			
	इकाई 2 - लखनऊ, बनारस व फर्रुखाबाद घराने की वंश परम्परा, वादन शैली/ बाज, विशेषताएँ एवं प्रमुख तबला वादकों का योगदान।			
	इकाई 3 - ताल के दस प्राण (काल , मार्ग , क्रिया , अंग, ग्रह, जाति , कला , लय , यति व प्रस्तार) का संक्षिप्त अध्ययन।			
	इकाई 4 - तबला वादकों का जीवन परिचय (उ० हबीबुद्दीन खाँ, पं० स्वपन चौधरी व पं० कण्ठे महाराज) ।			
	इकाई 5 - संगीत सम्बन्धी विषयों पर निबन्ध।			
	इकाई 6 - पाठ्यक्रम की तालों आड़ाचारताल, गजझंपा ताल एवं तीवरा ताल का परिचय एवं बोल समूह द्वारा ताल पहचानना ; पाठ्यक्रम की तालों आड़ाचारताल, गजझंपा ताल एवं तीवरा ताल के ठेके को दुगुन, तिगुन एवं चौगुन लयकारी सहित लिपिबद्ध करना।			
	इकाई 7 - पाठ्यक्रम की तालों आड़ाचारताल, गजझंपा ताल एवं तीवरा ताल में तबले/पखावज की रचनाओं (पाठ्यक्रमानुसार) को लिपिबद्ध करना।			
द्वितीय खण्ड	प्रयोगात्मक		50	2
	इकाई 8 - आड़ाचारताल में एकल वादन।*			
	इकाई 9 - गजझंपा ताल में टुकड़े, परन, चक्करदार व तिहाई।			
	इकाई 10 - तीवरा ताल का ज्ञान।			
	इकाई 11- पाठ्यक्रम की तालों आड़ाचारताल, गजझंपा ताल एवं तीवरा ताल की पढन्ता।			
	इकाई 12 - पाठ्यक्रम की तालों आड़ाचारताल, गजझंपा ताल एवं तीवरा ताल के ठेकों को दुगुन, तिगुन व चौगुन लयकारी में पढना।			
	इकाई 13 - तबले के बोलों व रचनाओं (पाठ्यक्रमानुसार) की पढन्ता।			
	इकाई 14- पाठ्यक्रम सम्बन्धित मौखिक परीक्षा।			
ताल - आड़ाचारताल, गजझंपा ताल एवं तीवरा ताल नोट - पूर्व सेमेस्टर्स के पाठ्यक्रम (प्रयोगात्मक) की पुनरावृत्ति।				